विचार प्रवाह

चार लोग क्या कहेंगे

यह बेहद ही निष्ठुर, खतरनाक और निरुत्साहित करनेवाली पंच लाइन है । बहुत सिंपल होते हुए भी यह एक अबूझ, अतार्किक और अनुत्तरित प्रश्न की तरह कभी भी धमक पड़ता है जिंदगी की राह में रायता फैलाने के लिए । मुझको पक्का यकीन है कि अगर यह दुरूह प्रश्न यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा होता तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते ।।

कभी-कभी तो मुझको ऐसा प्रतीत होता है कि चार तथाकथित चमत्कारिक लोगों का यह मानसिक खौफ दरअसल किसी मानसिक डिसऑर्डर का प्रतीक है । चार लोग की अवधारणा खाली मन की बेकार उपज का दुष्परिणाम है । जेहन से बीमार ऐसे लोग दरअसल समाज के बेकार लोग होते हैं । हां, कई दफा ये आईना का काम भी करते हैं । ऐसे प्रपंचाधीशों को जब-जब सुनता हूं तरस आता है उनकी काबिलियत पर।

चार लोग का मतलब केवल चार शारीरिक लोग नहीं है, बल्कि यह सामान्य रूप से समाज को इंगित करता है । यह समाज के लोगों की राय और धारणाओं का प्रतिनिधित्व करता है । खासकर उन लोगों की जो आपके आसपास रहते हैं, जैसे परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पड़ोसी । यह वाक्यांश अक्सर डर और चिंता को दर्शाता है । अब यह चिंता दूसरों की राय से प्रभावित होने, उनकी स्वीकृति पाने या आलोचना से बचने की इच्छा से जुड़ी हो सकती है ।।

ऐसा कोई नहीं है जिससे सब खुश या दुखी हैं । यही वो चार लोग हैं जो आपकी उन्नति पर परेशान हो जाएंगे और आपके पतन पर हैरान । मनुष्य ठहरा एक सामाजिक प्राणी तो ऐसे वाशिंग मशीन टाइप लोग जीवनपर्यंत आपको मिलेंगे ही । इनसे बचना नामुमकिन है । इसलिए कीजिए वो जो आपको भाए । बाकी लोगों की बातों के लिए अपने कान पर सांकल लगाएं।।

कुछ तो लोग कहेंगे......लोगों का काम है कहना ।
बेकार की बातों में, खो न जाए जीवन का गहना।।

चार लोगों का चक्कर बाबू भैया अच्छे-अच्छों की बैंड बजा देता है । वैसे ये चार लोग ना हों आस-पास तो जीने का रस चला जाता है । खुश होइए कि कोई तो है जो आपकी कद्र करता है, आप पर नज़र रखता है । अन्यथा इस भागमभाग में कौन किसकी खबर रखता है ? आप उनके ब्लड प्रेशर वर्धन को बोनस समझिए, सैलरी नहीं।।

चार लोग क्या कहेंगे ? इस महान सवाल का हमनें एक सर्वे करवाया और उस आधार पर कुछ कॉमन विचार पाए । आप उनको पढ़िए और सोचिए कि क्या सही है आपके लिए....??

- चार लोग के पीछे भी चार लोग का ग्रुप है बाबा। इसलिए सब टेंशन में रहता है आजकल ।।
- चार लोग के कहने पर चलोगे तो निराशा की खाई में गिरोगे ही ।।
- चार लोग पहले दिन आलोचना करेंगे, दूसरे दिन खिल्ली उड़ाएंगे, तीसरे दिन हंसेंगे और चौथे दिन आपको भूल जाएंगे इसलिए उनकी परवाह मत करो ।।
- वही चार लोग जिनके बारे में सोच कर हम दिन रात परेशान रहते है दरअसल उन्हें सिर्फ उँगली उठाना आता है पर सहारे के लिए हाथ पीछे कर लेते हैं ।।
- 4 लोग को अपनी जिंदगी का कंट्रोल नहीं देने का । साला कुछ अच्छा होगा तो बोलेंगे ~ हमलोग पहले से जानते से तुम कुछ बेहतरीन काम करोगे और कुछ खुदा न खस्ता गलत हो गया तो तुरंत कह देंगे ~ हमलोग पहले से जानते थे कि तुम गड़बड़ हो ।।
- चार लोग क्या कहेंगे ? अगर मैं यह सोचूं तो वो लोग क्या सोचेंगे फिर ।।
- चार लोग के कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता भाई । जबतक 400 लोग चर्चा ना करें तो मजा नहीं आता ।।
- चार लोग क्या कहेंगे अब इस बात का डर नहीं लगता साहब । डर तो इस बात का है कि उन चार लोगों को मैं कुछ न कह दूं ।।
- चार लोगों ने कहा कि उनकी तो खुद की जिंदगी के तोते उड़े हुए हैं इसलिए अब हम गूंगे हो गए हैं, हम कुछ नहीं कहेंगे ।।
- चार लोग एक सार्वकालिक सत्य (राम नाम सत्य है) का समवेत स्वर में उच्चारण करेंगे ।।
- चार लोग आपकी तेरहवीं पर कहेंगे ~ पूड़ी थोड़ी नरम लाना भाई ।।
- चार लोग क्या कहेंगे अगर यही सोचते रहेंगे
चालीस लोग शायद ही आपके कसीदे पढ़ेंगे ।।
- चार लोग क्या कहेंगे । मुझको सुनना ही नहीं है । गेट लॉस्ट ।।

इस तरह सर्वे का डाटा हुआ ओवर, आप पढ़िए सब गुड-गोबर ।।
#जस्ट_फॉर_अवेयरनेस #सुनो_सबकी_करो_अपने_मन_की

- मनीष सिंह 'वंदन'
आई टाइप आदित्यपुर जमशेदपुर, झारखंड

गर्मियों में गन्ने का जूस बेहद राहत देने वाला

इंदौर। गर्मियों में आमतौर पर सड़क किनारे, दुकानों या ठेलों पर गन्ने का जूस आसानी से मिल जाता है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह शरीर को ठंडा रखने, ऊर्जा देने और हाइड्रेट करने में मदद करता है। गर्मियों के मौसम में जब तापमान तेज़ी से बढ़ता है और शरीर लू, डिहाइड्रेशन और थकावट से जूझता है, तब गन्ने का जूस एक बेहद राहत देने वाला और सुलभ विकल्प बन जाता है। यह एक प्राकृतिक पेय है जो न केवल स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। इसमें प्राकृतिक ग्लूकोज, इलेक्ट्रोलाइट्स और कई आवश्यक खनिज (मिनरल्स) होते हैं जो गर्मी से लड़ने की शरीर की क्षमता को मजबूत बनाते हैं। यह शरीर को लू से बचाने में मदद करता है और बार-बार प्यास लगने की समस्या को भी कम करता है। गन्ने का रस सिर्फ ठंडक देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पाचन को बेहतर करता है और पेट की जलन व एसिडिटी को शांत करता है।

यह लिवर के लिए भी फायदेमंद माना गया है, खासकर आयुर्वेद में इसे पीलिया जैसी बीमारियों में उपयोगी बताया गया है क्योंकि यह लिवर डिटॉक्स में मदद करता है। साथ ही, यह थकावट के समय तुरंत एनर्जी बूस्ट करता है और कमजोरी से राहत देता है। हालांकि गन्ने का रस सभी के लिए फायदेमंद नहीं होता। डायबिटीज़ के मरीज़ों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इसमें प्राकृतिक शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। इसके अलावा फंगल इन्फेक्शन वाले मरीजों को भी इसे पीने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए, खासकर तब जब रस साफ-सफाई के बिना तैयार किया गया हो। किडनी से संबंधित रोगियों को अधिक मात्रा में इसका सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन पैदा कर सकता है। जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें भी गन्ने के रस का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए क्योंकि इसमें कैलोरी अपेक्षाकृत ज्यादा होती है। खाली पेट इसका सेवन करने से गैस या अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं, इसलिए इसे भोजन के बाद या स्नैक्स के साथ लेना बेहतर होता है।गन्ने का रस लेते समय हमेशा ताजा और स्वच्छ स्थान से लेना चाहिए। बाहर से जूस लेते समय बर्फ का प्रयोग न करें या कम करें क्योंकि अशुद्ध बर्फ पेट की समस्याएं पैदा कर सकती है।

आंगनवाड़ियों में सप्ताह में तीन दिन हर बच्चे को मिलेगा 100 ग्राम दूध

विभाग ने शुरू की तैयारी

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के लाखों बच्चों के पोषण स्तर को सुधारने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग आंगनवाड़ियों में अब सप्ताह में तीन दिन बच्चों को दूध बांटने की तैयारी कर रहा है। इसको लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। जिसे स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को भेजा जाएगा। जानकारी के अनुसार आंगनवाड़ी के करीब 50 लाख बच्चों को सप्ताह में तीन दिन टेट्रा पैक दूध बांटा जाएगा। इस पर पर सालाना करीब 300 करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है। बता दें, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में विभाग की समीक्षा बैठक में आंगनवाड़ियों में दूध बांटने की पहल करने को कहा था। इसका उद्देश्य बच्चों को प्रोटीन युक्त आहार उपलब्ध कराना है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास को मजबूती मिल सके। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह कदम न सिर्फ बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाएगा, बल्कि कुपोषण से लड़ाई में भी मददगार साबित होगा। योजना के लागू होने के बाद आंगनवाड़ी केंद्रों की भूमिका और भी अहम हो जाएगी, जहां बच्चों को नियमित रूप से पोषक आहार के साथ अब दूध भी मिलेगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग आंगनवाडियों में प्रत्येक बच्चे को 100 ग्राम दूध उपलब्ध कराएंगा। इस योजना में गर्भवती महिलाओं को भी जोड़ा जा सकता है। टेट्रा पैक दूध को 15 दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है। यह दूध एक विशेष प्रक्रिया से गुजरता है, जिसमें दूध को उच्च तापमान (लगभग 135-150 डिग्री सेल्सियस) पर कुछ सेकंड्स के लिए गर्म किया जाता है, ताकि उसमें मौजूद बैक्टीरिया और सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाएं। इस प्रक्रिया के बाद दूध को पैक किया जाता है, जिससे उसे बिना रेफ्रीजरेट किए लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। इसे खोलने के बाद इसे रेफ्रिजरेटर में रखना पड़ता है और फिर कुछ दिन के भीतर उसका सेवन करना होता है।

वित्त विभाग को भेजेंगे प्रस्ताव- महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि आंगनवाडियों में दूध बांटने को लेकर प्रस्ताव बना रहा है। इसे पहले स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को भेजा जाएगा।

निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे मुख्यमंत्री

इंदौर। 16 मई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में प्रस्तावित रीजनल ग्रोथ समिट को लेकर बैठक आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संभागायुक्त दीपक सिंह ने की। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार, अधीक्षण यंत्री श्री अनिल जोशी, मुख्य नगर नियोजक रत्ना बोचरे, होटल एसोसिऐशन के अध्यक्ष श्री सुमित सुरी, क्रेडाई के अध्यक्ष श्री संदीप श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त दीपक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 16 मई को ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में रीजनल ग्रोथ समिट का आयोजन प्रस्तावित है। समिट में इंदौर सहित ग्वालियर, देवास, भोपाल, उज्जैन, मंदसौर, जबलपुर, नीमच आदि शहरों के प्रतिभागी शामिल होंगे। समिट का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समिट में वन-टू-वन चर्चा करेंगे।

गर्मियों में 33 प्रतिशत तक बढ़ सकता हार्ट अटैक का खतरा

इंदौर। हाल ही में हुई मेडिकल रिसर्च के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के दौरान दिल का दौरा पड़ने का खतरा 33 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। गर्मियों में तापमान की बढ़ोतरी के साथ ही कई कारणों से हृदय संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, जिससे हार्ट अटैक की संभावना ज्यादा हो जाती है।

गर्मी का प्रभाव खासकर उन लोगों पर अधिक पड़ता है जो पहले से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। गर्मी में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ने का मुख्य कारण डिहाइड्रेशन है, जिससे शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है। इसके कारण ब्लड प्रेशर में गिरावट आ सकती है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके अलावा, गर्मी के कारण रक्तवाहिकाएं फैलने लगती हैं, जिससे हृदय को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। गर्मी में खून गाढ़ा होने का खतरा भी बढ़ जाता है, जिससे खून का थक्का बन सकता है, जो हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। हीट स्ट्रोक और कार्डियक स्ट्रेस भी अत्यधिक तापमान के कारण शरीर पर दबाव डालते हैं और दिल की समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इस समय हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, या डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए गर्मी का मौसम ज्यादा खतरनाक हो सकता है। गर्मियों में हार्ट अटैक से बचाव के लिए कुछ उपायों को अपनाना जरूरी है। सबसे पहले, अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और डिहाइड्रेशन से बचा जा सके। दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बाहर जाने से बचना चाहिए, जब तापमान सबसे ज्यादा होता है। हल्के, ढीले कपड़े पहनें और नमक और इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पेय का सेवन करें। इसके अलावा, अपनी नियमित दवाइयों का सेवन जारी रखें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खासकर 60 वर्ष से ऊपर के लोग, जो बाहर धूप में काम करते हैं या जो धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं, उन लोगों को अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

25 वर्ष से अधिक की अविवाहित पुत्री, परित्यक्ता, विधवा पुत्री को पेंशन-पात्रता देने पर आभार व्यक्त

इंदौर। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार द्वारा पेंशनरों की मांग पर संज्ञान लेते हुए पेंशन नियम में संशोधन का निर्णय लिया है।जिसके तहत 25 वर्ष से अधिक की अविवाहित पुत्री भी अब परिवार पेंशन की हकदार होगी ।अभी तक 25 वर्ष की उम्र तक ही माता-पिता जीवित न होने पर परिवार पेंशन मिलती थी। साथ ही अब केंद्र सरकार की तर्ज पर अविवाहित बेटी,विधवा परित्यक्ता बेटी को भी पेंशन की पात्रता होगी।वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन ने सरकार के इस कदम की सराहना की है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के विगत वर्ष जबलपुर में आयोजित पेंशनर सम्मेलन में प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक भार्गव,ऑल इंडिया फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शालिक मौलिकर, इंद्र कुमार शर्मा, केएस ठाकुर,अशोक दंडोतिया, प्रताप सिंह सिसोदिया की उपस्थिति में सागरमल जैन इंदौर जिला संयुक्त सचिव द्वारा केंद्र सरकार का हवाला देते हुए पुरजोर तरीके से 25 वर्ष से अधिक की अविवाहित पुत्री ,परित्यक्ता,विधवा पुत्री को परिवार पेंशन का लाभ देने की मांग को संगठन के मांग पत्र में शामिल करवाया था।बाद में संगठन द्वारा इस मांग को विभिन्न ज्ञापन आदि के अवसर पर प्रमुखता से उठाया जाता रहा है।एसोसिएशन की ओर से सम्भागीय अध्यक्ष राजेश जोशी एवम जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर ने संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि प्रान्तीय अध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार दुबे, एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारी गण सर्वश्री वीरेंद्र शर्मा कार्यकारी प्रांताध्यक्ष,श्रीमती कमला द्विवेदी प्रान्तीय संगठन मंत्री,पंडित रामचंद्र दुबे,सम्भागीय प्रभारी एवम वरिष्ठ प्रान्तीय उपाध्यक्ष,पं.आर.के.शुक्ला,इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी, भगवती प्रसाद पंडित, प्रान्तीय मीडिया प्रभारी एवम प्रान्तीय उपाध्यक्ष, पं.गोविंद व्यास,प्रांतीय संगठन सचिव दीपक धनोड़कर,प्रान्तीय सचिव, किशोर शर्मा, देवीसिंह बारुपाल,प्रान्तीय उपाध्यक्ष, सुभाष चंद्र वर्मा सम्भागीय सचिव,नरेन्द्र सिंह ठाकुर, जिलाध्यक्ष,उमा हार्डिया, जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ,सुभाष चन्द्र पाटीदार,मालती शर्मा, जयश्री महोदय, पुष्पा राहिंज,दीपिका कानूनगो, किरण जैन,जयश्री कांबले, अल्पना नेगी,नमिता शर्मा, सरयू जावड़ेकर,मीना मेंढके, रविंद्र महोदय, जगन्नाथ अहिरे, रमेश सिन्देल, बी.सी.जैन,सागरमल जैन, बिहारी लाल वर्मा,हरीश सक्सेना,कैलाश सेन, चतुर्भुज मिश्रा,श्रीकांत इंगले,संत स्वरूप सत्संगी, बालकृष्ण कौशल,जयवंत कुलकर्णी, शंभू लाल यादव, राम रतन परिहार ,नरेंद्र कुमार पुरोहित ,रमेश चंद्र डाबी,महेंद्र कुमार शर्मा, राधेश्याम मंडोलोई,बद्रीलाल सोलंकी,केशर सिंह पटेल, ओम प्रकाश चौहान, श्रीकृष्ण शर्मा, गोविंद चौधरी, रामनिवास गोयल, रमेश चंद्र मंडोलोई,पद्माकर चौरे,गोविंद प्रसाद तिवारी, मोहनलाल पटेल,राम गोपाल पोरवाल,ललितओव्हाल, नरेंद्र उपाध्याय ,ओम प्रकाश परमार, रजनीकांत जोशी, अनिल देशमुख ने आभार व्यक्त किया है।

मप्र सरकार को केंद्र से मिली बड़ी राशि

आवास, हेल्थ और सडक़ के लिए केंद्र ने खोला खजाना

इंदौर। मप्र सरकार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पीएम आवास के लिए इस साल 4300 करोड़ रुपए देगी। इससे शहरी और ग्रामीण इलाकों में गरीबों के लिए आवास बनाने का काम तेजी से हो सकेगा। इसके साथ ही एमपी में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दो हजार करोड़ रुपए मिलेंगे। जिससे उप स्वास्थ्य केंद्र, एमबीबीएस सीट्स में वृद्धि, स्टाफ भर्ती और आयुष्मान भारत से उपचार कराने का काम हो सकेगा। केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए 630 करोड़ और सडक़ों के निर्माण के लिए 1150 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। पीएम ई-बस सेवा और मेट्रो के लिए 186 करोड़ रुपए इस साल मोहन यादव सरकार को मिलेंगे।

केंद्र और राज्य सरकार के अंशदान से संचालित योजनाओं के साथ अलग-अलग विभागों को केंद्र सरकार द्वारा इस साल मोहन सरकार को 44255 करोड़ रुपए देने वाली है। चालू वित्त वर्ष में प्रदेश में केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा योजनाओं के संयुक्त क्रियान्वयन के लिए कुल 68519.05 करोड़ रुपए खर्च किए जाने का फैसला किया गया है। इसमें 44255.33 करोड़ रुपए केंद्र सरकार देगी जबकि 24263.71 करोड़ रुपए राज्य सरकार के अंश के रूप में शामिल होंगे। जो राशि एमपी को देने के लिए तय की गई है। उसमें स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, सडक़ के साथ अन्य सेवाओं से जुड़ी योजनाओं पर फोकस किया है। इस राशि से प्रदेश के तेज विकास ढांचे को मजबूती देने का काम किया जा सकेगा।

सूरजकुंड बावड़ी की सफाई कर जल संरक्षण का दिया गया संदेश

इंदौर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत देपालपुर के प्रसिद्ध मंगलेश्वर मंदिर स्थित प्राचीन सूरजकुंड बावड़ी की सफाई का महाअभियान आयोजित किया गया।

इस अभियान में परिषद की समस्त प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र, नवांकुर, मेंटर तथा सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। सफाई अभियान के दौरान सूरजकुंड बावड़ी की गंदगी को हटाकर जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत देपालपुर के उपाध्यक्ष श्री मोहनलाल ननवाना, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री गोपाल कटेसरिया, पार्षद श्री विमल यादव, पूर्व सैनिक श्री विमल फौजी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री हरिराम सोलंकी, सेवा भारती के श्री सोहन परमार, समाजसेवी श्री पारस बारोड़, जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े तथा श्री सुरेशचंद्र यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा हुई और सभी प्रतिभागियों को जल बचाने की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात सभी ने श्रमदान करते हुए बावड़ी की सफाई की। कार्यक्रम का संचालन मेंटर श्री हरिओम दुबे ने किया तथा आभार प्रदर्शन श्री सेठी डोडिया द्वारा किया गया।